

एक भाग 2. उक्त प्रांत का निवासी 3. कपड़ा, विशेष रूप से फटा-पुराना कपड़ा स्त्री. 1. लड़, ऊँचा, बड़ा और मोटा खंभा जैसे- अशोक की लाट।

लाट-घाट पुं. (अं.+तद्.) व्यापारिक क्षेत्र में वह स्थिति जिसमें कटा-फटा माल जो एक साथ सस्ते दामों पर थोक में बेच दिया गया हो।

लाट-बंदी स्त्री. (अं.+फा.) वस्तुओं के अलग-अलग विभाग करके उनकी राशि या वर्ग बनाने की क्रिया या भाव।

लॉटरी स्त्री. (अं.) रूपए या वस्तु के रूप में पुरस्कार देने की व्यवस्था जिसमें बिके हुए टिकटों या दिए हुए कूपनों की संख्याओं की चिट डालकर विजेता का नाम घोषित किया जाता है ला. अर्थ-भाग्य का खेल, किस्मत का खेल।

लाटा पुं. (देश.) भुने हुए महुए और तिलों को कूटकर बनाए हुए लड्डू।

लाटानुप्रास पुं. (तत्.) काव्य. एक प्रकार का शब्दालंकार जिसमें शब्दों की पुनरुक्ति तो होती है परंतु अन्वय में परिवर्तन करने से तात्पर्य भिन्न हो जाता है।

लाटिका स्त्री. (तत्.) एक साहित्यिक शैली, जिसमें छोटे-छोटे पद और छोटे-छोटे समास होते हैं, लाटी।

लाटी स्त्री. (तत्.) 1. संस्कृत साहित्य में रचना की एक विशिष्ट प्रणाली या शैली जो लाट तथा उसके आस-पास के देशों में प्रचलित थी और जो वैदर्भी तथा पांचाली के मध्य की रीति थी और गौड़ी की ही तरह भयानक, रौद्र, वीर आदि रसों के लिए उपयुक्त मानी जाती थी, लाटिका 2. लार सूखने से होठों पर पड़ी पपड़ी उदा.- सूखहि अधर लागि मुँह लाटी। (मानस 2/145/2)

लाटीय वि. (तत्.) लाट नामक देश का, लाटक।

लाठ स्त्री. (देश.) 1. कोल्हू में लगी हुई वह बल्ली जो बराबर घूमती रहती है 2. बड़ा और मोटा खंभा, लाट।

लाठा-लाठी स्त्री. (देश.) आपस में लाठियों से होने वाली मार-पीट या लड़ाई।

लाठी स्त्री. (देश.) ठस या ठोस बाँस का 6-7 फुट लंबा डंडा, यष्टि, दंड ला.अर्थ. सहारा जैसे- सुपुत्र अपने माता-पिता के बुढ़ापे की लाठी होता है।

लाठी-चार्ज पुं. (देश.+अं.) लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा भीड़ पर लाठियाँ चलाना।

लाड़ पुं. (देश.) बच्चों को प्रसन्न करने या रखने के लिए प्रेमपूर्ण व्यवहार, दुलार।

लाड़लड़ा पुं. (देश.) एक प्रकार का साँप जो प्रायः वृक्षों पर रहता है।

लाड़-लड़ैता वि. (देश.) 1. जिसका बहुत अधिक लाड़ किया गया हो 2. प्यारा, दुलारा 3. बड़े लाड़-दुलार से पाला गया।

लाड़ला वि. (देश.) जिसके साथ बहुत लाड़ किया जाए, प्यारा, दुलारा।

लाड़ा पुं. (देश.) वर, दूल्हा।

लाड़ी स्त्री. (देश.) 1. नवविवाहिता वधू, दुल्हन 2. लाडली, दुलारी 3. पुत्री, कन्या।

लाड़ू पुं. (देश.) 1. लड्डू, मोदक 2. दक्षिणी नारंगी।

लाडो स्त्री. (देश.) 1. ऐसी लडकी या युवती जिसका बहुत लाड़ हुआ हो या होता हो, लाडली, दुलारी 2. कन्या, पुत्री, लडकी।

लात स्त्री. (देश.) 1. पाँव, पैर का नीचे का भाग 2. पदाघात 3. प्रहार करने के लिए उठाया गया पैर मुहा. लात खाना- मार खाना, पैसे की मार या ठोकर सहना; लात मारना- बहुत ही तुच्छ समझकर दूर हटाना, उपेक्षा करना, घृणा करना; लात जमाना- पैर से आघात या प्रहार करना; लात-जूते से बात करना- मारपीट करना।

लातर स्त्री. (देश.) पुराना जूता।

लातरना अ.क्रि. (देश.) 1. पथ भ्रष्ट होना 2. चलते-चलते थक जाना उदा.- थिर नृत हिंदुस्थान, लातरना मन लोभ लग -दुरसाजी।